Publication: Dabang Dunia
Date: 24.02.2017
Page no: 11
Language: Hindi

वर्चुअल करंसी उद्योग को मिलेगा प्रोत्साहन

बिटक्वाइन में पारदर्शिता आएगी, समिति का गठन

दबंग रिपोर्टर ✡ मुंबई

बिटक्वाइन स्टार्टअप्स को देश में बढ़ावा देने के उद्देश्य से ज़ेबपे, यूनिक्वाइन, क्वाइन सिक्योर और सर्चट्रेड ने संयुक्त रूप से डिजिटल एसेट्स एंड ब्लॉकचेन फाउंडेशन ऑफ इंडिया (डीएबीएफआई) के गठन करने पर करार किया है। भारत में वर्चुअल (आभासी) मुद्रा बाजार के व्यवस्थित और पारदर्शी विकास व परिचालन के लिए निशीथ देसाई एसोसिएट्स, सौरभ अग्रवाल (सीईओ, जेबपे), संदीप गोयनका (जेबपे), मोहित कालरा (क्वाइन सिक्योर), सात्विक विश्वनाथ (यूनिक्वाइन) और विशाल गुप्ता (सर्चट्रेड) को इस समिति में शामिल किया गया है। इनके सहयोग से वर्चुअल करंसी उद्योग (बिटक्वाइन) के लिए पारदर्शी नियमों का विकास किया जाएगा।

स्व-नियामकीय व्यवस्था बनाएगी समिति:

डिजिटल आस्तियों के तहत व्यापार के लिए समिति स्व-नियामकीय व्यवस्था बनाएगी, सदस्य कंपनियों के लिए केवाईसी / एएमएल / एसटीआर मानदंडों का मानकीकरण तैयार किया जाएगा। इसके अलावा कंपनियों के बीच विश्वसनीयता का निर्माण करने, लाभ और सीसी के जोखिम के बारे में जागरूकता पैदा करने, नियामकों के साथ संबंध स्थापित करने और कराधान मामले में स्पष्टता रखने, निवेश को आकर्षित करने जैसे मसलों पर वेबसाइट का निर्माण किया जाएगा।

स्वतंत्र मुद्रा, किसी संस्था का अधिकार नहीं

हालांकि बिटक्वाइन का इस्तेमाल ऑनलाइन ही किया जा सकता है। कुछ बाहरी देशों में ऑनलाइन शॉपिंग या हस्तांतरण के लिए भी इसका उपयोग कर सकते हैं। यह एक प्रकार की स्वतन्त्र मुद्रा है, जिस पर किसी भी संस्था या देश का अधिकार नहीं है। इसका उत्पादन स्वतंत्र रूप से कंप्यूटर प्रोसेसिंग प्रणाली माइनिंग के द्वारा किया जाता है। माइनर्स विशेष प्रकार के हार्डवेयर का उपयोग कर विभिन्न प्रकार के ट्रांजेक्शन को प्रोसेस करते हैं और नेटवर्क को सिक्योर करते हैं, जिनके बदले में नए बिटक्वाइन बनते है। जो माइनर्स को मिलते हैं। इसकी शुरूआत साल 2009 में हुई थी।